खरीफ मौसम में कम वर्षा की स्थिति से निपटने के लिये आकस्मिक योजना हेतु कृषक गोष्ठी का आयोजन

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार इस साल मानसून की वर्षा सामान्य से लगभग १२ प्रतिशत कम होने की संभावना है | इसी बात को ध्यान में रखते हुए आज दिनांक १२-०६-२०१५ को गुडगाँव जिला के पटौदी ब्लाक के मुमताजपुर गाँव में एक कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें किसानों को इस बात से जागरूक किया गया की कम वर्षा की स्थिति में क्या करें? इसमें उनको धान की कम पानी लगने वाली किस्मों तथा नर्सरी तैयार करने, धान की सीधी बिजाई पद्धति आदि तकनीकियों के बारे में बताया गया | जब किसान इस बात से अवगत हुए की इस साल खरीफ मौसम में कम वर्षा होने की संभावना है तो उन्हीने भी अपने मत दिए जिसमें लगभग सभी किसानों ने कहा की कम पानी लगने वाली फसल लगायेंगे जैसे कि श्री अतर सिंह जी ने कहा कि तिल, बाजरा, मूंग आदि फसलों की बुआई करेंगे ऐसे ही श्री विक्रम सिंह जी ने कहा की कपास की बुआई करेंगे, श्री भूरा सिंह जी ने जहाँ धान की पूसा बासमती-१५०९ किस्म की बुआई की बात कही तो वहीँ श्री लीलाराम जी ने इस साल तिल और अरहर की ज्यादे से ज्यादे बुआई करने की बात कही |

इस कृषक गोष्ठी का आयोजन भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आर.एन. पडारिया तथा कार्यक्रम का संचालन श्री अभय कुमार सिंह और इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पूसा चेतना कृषक क्लब के अध्यक्ष श्री तुलसीराम जी ने की |